www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 जब डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनपिंग की...
3 उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ पूजा का हुआ समापन
4 हरियाणा की लोक-संस्कृति के महाकुंभ...

वर्ष: 10 | अंक: 5 | दिल्ली, बुधवार, 29 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में फिर बजने वाला है चुनावी बिगुल

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली राज्य चुनाव आयोग ने मंगलवार को घोषणा की कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के 12 वार्डों के लिए उपचुनाव 30 नवंबर को होंगे। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि मतगणना 3 दिसंबर को होगी। आयोग के अनुसार, नामांकन 3 नवंबर से शुरू होंगे और मतदान 30 नवंबर को सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक बिना किसी रुकावट के होगा। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 10 नवंबर है, जिसके बाद 12 नवंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी। उम्मीदवार 15 नवंबर तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे। ये उपचुनाव निम्नलिखित वार्डों में होंगे: मुंडका, शालीमार बाग-बी, अशोक विहार, चांदनी चौक, चांदनी महल, द्वारका-बी, दिचाऊं कलां, नारायणा, संगम विहार-ए, दक्षिण पुरी, ग्रेटर कैलाश और विनोद नगर। शालीमार बाग-बी वार्ड का प्रतिनिधित्व पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता करती थीं, जबकि द्वारका-बी वार्ड भाजपा पार्षद कमलजीत सहरावत के पश्चिमी दिल्ली से लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद खाली हुआ था। बाकी वार्ड भाजपा और आप के मौजूदा पार्षदों के फरवरी में हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ने और विधायक बनने के बाद खाली हुए थे।

महागठबंधन ने जारी किया 'बिहार का तेजस्वी प्रण', हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी का वादा

बिहार (एजेन्सी)। महागठबंधन ने मंगलवार को आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए 'बिहार का तेजस्वी प्रण' शीर्षक से अपना चुनावी घोषणापत्र जारी किया और राज्य को अपराध मुक्त बनाने का वादा किया। घोषणापत्र में, महागठबंधन ने कहा कि जन स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत प्रत्येक व्यक्ति को 25 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जाएगा और प्रत्येक परिवार को 200 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी। महागठबंधन ने आगे कहा कि सरकार बनने के 20 दिनों के भीतर राज्य के प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने के लिए एक अधिनियम पारित किया जाएगा। घोषणापत्र जारी करने के दौरान महागठबंधन के डिप्टी सीएम चेहरे मुकेश सहनी ने कहा कि आज हमने नए बिहार के लिए संकल्प पत्र लॉन्च किया है। अगले 30-35 वर्षों तक हम बिहार के लोगों की सेवा के लिए काम करेंगे। हम जनता की सभी आकांक्षाओं को पूरा करेंगे।

आस्था से सजी दिल्ली, सीएम रेखा गुप्ता ने उगते सूर्यदेव को दिया अर्घ्य

दिल्ली के छठ पर्व की भव्यता की चर्चा पूरे देश में हो रही हैः सीएम रेखा गुप्ता

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। सूर्योपासना और प्रकृति पूजा के महापर्व छठ की भोर दिल्ली के लिए एक अद्भुत दृश्य लेकर आई। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता प्रातःकाल आईटीओ स्थित यमुना नदी के हाथी घाट पहंची, जहां उन्होंने छठ व्रतियों के साथ उगते सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित किया और पूजा-अर्चना भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष छठ पर्व की भव्यता केवल दिल्ली तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे देश में चर्चा का विषय बनी हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुना के पावन घाटों पर जब श्रद्धालु माताएं और बहनें अर्घ्य अर्पित कर रही थीं, तो ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो पूरी दिल्ली आस्था, अनुशासन और भक्ति के प्रकाश में स्नान कर रही हो। सूर्यदेव की स्वर्णिम किरणों से यमुना की लहरें झिलमिला उठीं और छठी मइया के आशीर्वाद से हर घर और हर द्वार पर नई उम्मीद का दीप जल उठा। इस अवसर पर छठ व्रतियों ने दिल्ली सरकार द्वारा किए गए प्रबंधों पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कई वर्षों बाद यमुना का जल इतना निर्मल दिखाई दे रहा है। श्रद्धालु महिलाओं ने दिल्ली सरकार द्वारा घाटों पर की गई स्वच्छता, सुरक्षा, जल व्यवस्था और प्रकाश व्यवस्था की सराहना करते हुए इसे अत्यंत उत्कृष्ट और ऐतिहासिक बताया। इस दौरान दिल्ली के कैबिनेट मंत्री श्री मनजिंदर सिंह सिरसा, कपिल मिश्रा, रविंदर इन्द्रराज सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की धरती पर आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। यह केवल पूजा नहीं, बल्कि उस नई दिल्ली का प्रतीक है जो संस्कृति और स्वच्छता, श्रद्धा और सेवा के संगम पर खड़ी है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल से आए भाइयों और बहनों के चेहरों पर मुस्कान ही उनके लिए सबसे बड़ा आशीर्वाद है। वही उनकी सरकार की सच्ची सफलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष छठ पर्व की भव्यता केवल दिल्ली तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे देश में चर्चा का विषय बनी हुई है। उन्होंने इसे दिल्ली का स्वर्णिम क्षण बताते हुए कहा कि जनता का विश्वास, श्रद्धा और सहयोग राजधानी को संस्कृति और स्वच्छता का केंद्र बना रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके आशीर्वाद और जनता के विश्वास से ही यह सब संभव हो सका है।

वासुदेव घाट पर स्वच्छता अभियान में शामिल हुई सीएम रेखा गुप्ता

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। छठ महापर्व के भव्य आयोजन के बाद मंगलवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कश्मीरी गेट स्थित यमुना के वासुदेव घाट पर स्वच्छता अभियान में श्रमदान किया। मुख्यमंत्री ने स्वयं झाड़ू लगाकर सफाई कार्य की शुरूआत की और उपस्थित टीम के साथ घाट परिसर की सफाई में सक्रिय रूप से भाग लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने हर बड़े पर्व के बाद सफाई व स्वच्छता अभियान चलाया है, क्योंकि हमारी सरकार राजधानी की स्वच्छता को लेकर संकल्पबद्ध है।

वासुदेव घाट पर चलाए गए इस सफाई अभियान में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ विकास मंत्री कपिल मिश्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री का कहना है कि छठ महापर्व के भव्य आयोजन के बाद घाटों को उसकी स्वच्छता और प्राकृतिक संतुलन के साथ पुनर्स्थापित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हर उत्सव तभी पूर्ण होता है जब उसके उपरांत भी परिवेश स्वच्छ और सुंदर बना रहे। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि बारह महीने, चौबीस घंटे और सातों दिन चलने वाला सतत अभियान है, जिसमें सरकार और जनता दोनों की समान भागीदारी आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार ने दीपावली, वाल्मीकि जयंती और अब छठ महापर्व के उपरांत भी पूरे शहर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया है। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व दिल्ली की कॉलोनियों, नहरों और यमुना घाट पर मनाया गया, इसलिए सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि आयोजन के तुरंत बाद प्रत्येक स्थान की सफाई प्रभावी रूप से की जाए। मुख्यमंत्री ने बताया कि यमुना नदी के तट और घाट परिसर में जहां भी गंदगी आदि दिखाई दे रही है, उसे तुरंत साफ किया जा रहा है। इसी प्रकार पूरे दिल्ली में जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और संबंधित विभागों के अधिकारियों से अपील की गई है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष ध्यान दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकार की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

गुरु परंपरा ने भारत को दिया त्याग और बलिदान का संदेशः योगी आदित्यनाथ

सीएम ने किया चरण सुहावे गुरु चरण (जोड़े साहिब) यात्रा का स्वागत

संजना भारती संवाददाता

लखनऊ। सिख समुदाय की आस्था का प्रतीक 'चरण सुहावे गुरु चरण यात्रा' के पवित्र जोड़ा साहिब का लखनऊ में भव्य स्वागत हुआ। यह यात्रा सिख समुदाय के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी और माता साहिब कौर के पवित्र जोड़ा साहिब से जुड़ी है, जो सिख आस्था का अत्यंत पवित्र प्रतीक मानी जाती है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु परंपरा ने भारत को केवल आस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र की रक्षा, सेवा और बलिदान का आदर्श भी दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस विरासत को अक्षुण्ण रखें और आने वाली पीढ़ियों तक इसकी प्रेरणा पहुंचाएं। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी मौजूद रहे।

लखनऊ के यहियागंज गुरुद्वारे में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवाणी सुनी और यात्रा सदस्यों को पटुका पहनाकर सम्मानित किया। गुरुद्वारा कमेटी ने सीएम योगी को अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी परंपरा में यह कहा गया है, जिथे जाए बहे मेरा सतगुरु, सो थान सुहावा राम राजे। अर्थात जहां भी गुरु महाराज के पावन चरण पड़ते हैं, वह स्थान रामराज्य की तरह पवित्र और पुण्यभूमि बन जाता है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा हमें उस गौरवशाली गुरु परंपरा से जोड़ती है, जिसने भारत की संस्कृति, साहस और बलिदान की भावना को नई दिशा दी।

सीएम योगी ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह यात्रा गुरु तेग बहादुर जी महाराज के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर शुरू हुई है। यह केवल श्रद्धा की यात्रा नहीं, बल्कि त्याग, बलिदान और राष्ट्र समर्पण की प्रेरणा देने वाली यात्रा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख गुरुओं का भारत की सनातन परंपरा में योगदान अविस्मरणीय है। गुरु नानक देव जी से लेकर गुरु गोविंद सिंह जी महाराज और उनके चार साहिबजादों ने जिस प्रकार धर्म, देश और मानवता की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया, वह भारत के इतिहास को नई प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग ढाई सौ वर्षों से गुरु महाराज के पावन चरण पादुकाएं, जो पहले अखंड भारत के हिस्से पाकिस्तान में थीं, अब पटना साहिब में स्थापित की जा रही हैं। दिल्ली से शुरू हुई यह यात्रा पूरे देश में गुरु परंपरा के प्रति सम्मान और गौरव का भाव जगाती जा रही है। उन्होंने कहा कि लखनऊ का यहियागंज गुरुद्वारा इसलिए भी विशेष है क्योंकि गुरु तेग बहादुर जी और गुरु गोविंद सिंह जी महाराज की स्मृतियां इस स्थान से जुड़ी हैं। यह गुरुद्वारा हमारी साझा आस्था और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है।

सीएम योगी ने सिख समुदाय के प्रति आदर व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु परंपरा ने भारत को केवल आस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र की रक्षा, सेवा और बलिदान का आदर्श भी दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस विरासत को अक्षुण्ण रखें और आने वाली पीढ़ियों तक इसकी प्रेरणा पहुंचाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख समाज की यह यात्रा केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए मार्गदर्शन है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे इस 'गुरु चरण यात्रा' को राष्ट्रीय एकता और आध्यात्मिक जागरण के संदेश के रूप में आगे बढ़ाएं।

हरपाल सिंह चीमा ने वेटरनरी स्टूडेंट्स यूनियन की मांगों पर शीघ्र कार्रवाई का दिया भरोसा

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने लुधियाना की वेटरनरी स्टूडेंट्स यूनियन को भरोसा दिलाया कि उनकी जायज मांगों को 15 दिनों के भीतर पूरा कर दिया जाएगा। यह भरोसा वित्त मंत्री के कार्यालय में हुई एक बैठक के दौरान दिया गया, जिसमें यूनियन के प्रतिनिधियों को अपने मुद्दे और मांगें पेश करने का अवसर दिया गया था।

इस बैठक में विशेष प्रमुख सचिव (खेल एवं युवा सेवाएं) सरवजीत सिंह, प्रमुख सचिव (पशुपालन, डेयरी विकास और मत्स्य पालन) राहुल भंडारी, विशेष सचिव (वित्त) शौकत अहमद परे और गुरु अंगद देव वेटरनरी एंड एनिमल साइंसेज यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. जतिंदर पाल सिंह गिल ने भाग लिया। बैठक के दौरान वेटरनरी छात्रों के मुद्दों को हल करने के लिए विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। वेटरनरी स्टूडेंट्स यूनियन के अध्यक्ष डॉ. अवनीत जस्सल, उपाध्यक्ष डॉ. कमलप्रीत सिंह और कोर कमेटी के सदस्य डॉ. सुनील मोमी तथा डॉ. मुस्कान ठाकुर ने वित्त मंत्री के समक्ष अपनी बात रखी। यूनियन द्वारा पेश की गई मांगों पर विचार-विमर्श के बाद वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रमुख मुद्दों का समाधान अगले 10 दिनों के भीतर किया जाए।

वित्त मंत्री ने यूनियन को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों पर पहले से ही कार्रवाई चल रही है और जल्द ही उन्हें पूरा कर दिया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार छात्रों के हितों की रक्षा और उनके मुद्दों के समय पर समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।

बैठक सकारात्मक माहौल में समाप्त हुई, जिसके दौरान वेटरनरी स्टूडेंट्स यूनियन ने वित्त मंत्री का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने उनकी चिंताओं को गंभीरता से सुना और शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया।

नायब सिंह सैनी ने लाडवा में सुनीं जनसमस्याएं

प्रदेशवासियों की समस्याओं का समाधान करना सरकार की जिम्मेदारीः सीएम नायब सिंह सैनी

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रत्येक नागरिक की हर समस्या का समाधान करना सरकार की जिम्मेदारी है। नागरिकों की समस्या सुनने के लिए मुख्यमंत्री आवास के दरवाजे 24 घंटे खुले हुए हैं, इसके अलावा जिला प्रशासन द्वारा भी सोमवार और वीरवार को समाधान शिविरों में जनता की समस्याएं सुनीं जा रही हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को लाडवा में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में लाडवा विधानसभा के लोगों की समस्याओं को सुन रहे थे। मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याओं को सुना, इनमें बीपीएल राशन कार्ड, परिवार पहचान पत्र, बिजली और पुलिस से संबंधित शिकायतें शामिल रही। मुख्यमंत्री ने समस्याएं सुनने के बाद पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस परिसर में पौधारोपण भी किया।

श्री सैनी ने कहा कि किसान हित वर्तमान सरकार की नीतियों के केंद्र में है। प्रदेश में अब सभी फसलें न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जा रही हैं। हाल ही में गन्ने का समर्थन मूल्य 415 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक 12 लाख किसानों के खातों में फसल खरीद के रूप में लगभग 1,48,000 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश राज के समय से चली आ रही आबियाना प्रणाली को समाप्त कर किसानों को राहत दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देशभर में हरियाणा में सामाजिक सुरक्षा पेंशन सबसे अधिक दी जा रही है, जिसे हाल ही में 3,000 रुपये से बढ़ाकर 3,200 रुपये मासिक किया गया है। इसके अतिरिक्त, दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना की शुरूआत की गई है, जिसके तहत गरीब महिलाओं को आगामी 1 नवंबर से 2,100 रुपये मासिक आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इसी दिशा में प्रधानमंत्री ने 'वोकल फॉर लोकल' और 'मेक इन इंडिया' का आह्वान किया है और जीएसटी सुधारों के माध्यम से अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। उन्होंने वर्तमान सरकार के विकास और कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख भी किया।

इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों की अंग्रेजी दक्षता में सुधार लाने के लिए पंजाब सरकार ने 'द इंग्लिश एज' कार्यक्रम शुरू किया

संजना भारती संवाददाता

अमृतसर। राज्य के युवाओं के भविष्य को नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पंजाब के शिक्षा मंत्री स हरजोत सिंह बैंस ने आम आदमी पार्टी के पंजाब प्रभारी श्री मनीष सिसोदिया के साथ मिलकर 'द इंग्लिश एज-लर्न स्मार्ट, स्पीक शार्प' कार्यक्रम की शुरूआत की, जिसके अंतर्गत सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को विश्व स्तरीय अंग्रेजी संचार कौशल से लैस किया जाएगा।

स बैंस ने गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह अभिनव कार्यक्रम वर्तमान में पंजाब के 500 सरकारी स्कूलों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के 3 लाख विद्यार्थियों के लिए शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास के साथ अंग्रेजी में बोलने, पढ़ने और सोचने की क्षमता विकसित करना है, जिससे उनकी रोजगार योग्यता और वैश्विक स्तर पर पहुँच को बढ़ावा मिल सके। पंजाब की शिक्षा प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले पंजाब शिक्षा क्रांति को एक मील का पत्थर बताते हुए स हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि यह कार्यक्रम स्कूलों में डिजिटल रीडिंग को घर पर बोलने के अभ्यास से जोड़ता है। गाइडेड रीडिंग, उच्चारण सहयोग और प्रतिदिन 10-10 मिनट के अभ्यास सत्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा को समझने और बोलने की प्रवाहशीलता में सुधार लाने में मदद मिलेगी। यह कार्यक्रम कक्षा शिक्षण को डिजिटल तकनीक से जोड़ता है ताकि अंग्रेजी सीखना अधिक आनंददायक, समावेशी और व्यावहारिक बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि यह पहल पंजाब स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इंग्लिश हेल्पर नामक एक वैश्विक एड-टेक संस्था के सहयोग से लागू की जा रही है, जिसने भारत के कई राज्यों में अंग्रेजी दक्षता और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए कार्य किया है। शिक्षा मंत्री ने आगे कहा कि जहाँ मातृभाषा बच्चे के विकास की नींव रखती है, वहीं अंग्रेजी भाषा का ज्ञान वैश्विक अवसरों के द्वार खोलता है। आज के तेजी से बदलते विश्व में सफलता के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने के उद्देश्य से द इंग्लिश एज कार्यक्रम शुरू किया गया है, जो उन्हें पूर्ण भाषाई दक्षता और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है।

स हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि पंजाब के विद्यार्थी प्रतिभा और संभावनाओं से भरपूर हैं।

सम्पादकीय

जानें बिहार के वोटर्स एनडीए की सरकार को ही दुबारा चुनेंगे या महागठबंधन को अवसर देंगे

बिहार विधानसभा की चौसर बिछ चुकी है तो चुनावों में हिस्सा ले रहे राजनीतिक दलों और बिहार विधानसभा के चुनावों में उम्मीद्वारों की तस्वीर भी लगभग सामने आ गई है। सौ टके का सवाल अब यह उभर रहा है कि बिहार के वोटर्स एनडीए की सरकार को ही दुबारा चुनेंगे या महागठबंधन को अवसर देंगे। देश में पिछले सालों में हुए चुनावों चाहे वह विधानसभाओं के चुनाव हो या फिर लोकसभा के चुनाव, महिलाओं और फ्लोटिंग वोटर्स की प्रमुख भूमिका रही है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बिहार विधानसभा के पिछले चुनावों में नीतीश सरकार बनाने में महिला वोटर्स की प्रमुख भूमिका रही है। इस बार भी महिला मतदाताओं की भूमिका को लेकर प्रश्न नहीं उठाया जा सकता। पर जो खासबात उभर कर आ रही है वह यह है कि बिहार विधानसभा के चुनावों में नई सरकार की तकदीर लिखने में मिलेनियल्स की खास भूमिका रहेगी। चुनाव आयोग द्वारा जारी अंतिम मतदाता सूची के अनुसार फ्लोटिंग वोटर्स यानी की पहली बार वोट करने वाले वोटर्स चुनाव नतीजों को प्रभावित नहीं कर पायेंगे। इसका कारण भी साफ है और वह यह कि फ्लोटिंग वोटर्स दो प्रतिषत से भी कम है। बिहार के 7 करोड़ 41 हजार से अधिक वोटर्स में से फ्लोटिंग वोटर्स केवल मात्र 14 लाख एक हजार से कुछ ही अधिक है। सर्वाधिक मतदाता मिलेनियल्स यानी कि 1 करोड़ 92 लाख 74 हजार से अधिक है। मिलेनियल्स या जेन वाई वह पीढ़ी है जिसने बदलती तकनीक के साथ साथ जीवन आरंभ किया है। 30 से 39 साल की यह पीढ़ी डिजिटल दुनिया के विकास के साथ साथ आगे बढ़ी है। इसीलिए इसका खास महत्व हो जाता है। दरअसल विलियम स्ट्रास और नील होवे की 1991 में प्रकाशित पुस्तक जेनरेशंस में जेनरेशन वाई का पहलीबार प्रयोग हुआ। 1981 से 1996 तक की इस पीढ़ी का विकास तकनीक के विकास के साथ साथ हुआ है। एक तरह से डिजिटल दुनिया का यह संक्रमण काल माना जा सकता है तो देश दुनिया में आर्थिक उदारीकरण का दौर भी लगभग इसी दौरान रहा है। आर्थिक जगत में तेजी से आ रहे बदलाव को इसी पीढ़ी ने अधिक नजदीक से जाना और समझा है। कारण भी साफ है कि आज की कामकाजी आबादी में सबसे अधिक संख्या जेनरेशन मिलेनियल्स ही है। डिजिटल युग का विकास इसी दौर में आगे बढ़ा है तो आर्थिक सुधार और सामाजिक आर्थिक बदलावों से भी यही पीढ़ी अधिक प्रभावित हुई है। इस मायने में देखे तो तकनीक के विकास के इस संक्रमण काल की पीढ़ी हालातों से अधिक रुबरु हुई है। जब से इस पीढ़ी ने हौश संभाला है। यह वो पीढ़ी है जो इंटरनेट, मोबाइल और सोषल मीडिया के साथ साथ बड़ी हुई है। साफ है कि इस पीढ़ी की राजनीतिक समझ भी अधिक है। वर्तमान हालातों से नजदीक से रुबरु होने के कारण इस पीढ़ी की समझ निश्चित रुप से आज के बिहार के चुनावों को प्रभावित करेगी। हालांकि आज यह पीढ़ी राजनीतिक मुफ्तखोरी की घोषणाओं के खिलाफ दबी जुवान से ही सही आवाज उठाने लगी है तो इस पीढ़ी की समझ अंडर करंट जैसी होने से यह पीढ़ी बिहार के चुनाव नतीजों को प्रभावित करने में खास भूमिका निभायेगी। हालांकि मोदी के बाद से चुनावों के दौर में फ्लोटिंग वोटर्स यानी की पहलबार मतदान करने वाले किशोर और जेनरेशन जेड़ की मोदी सरकार बनाने में बड़ी भूमिका रही है। माना जाता है कि जेनरेशन जेड़ और फ्लोटिंग वोटर्स में मोदी का क्रेज लगातार देखा जा रहा है। पर वर्तमान हालातों में जेन वाई की भूमिका को भी नकारा नहीं जा सकता। यह साफ हो जाना चाहिए कि बिहार विधानसभा के चुनावों के लिए जारी वोटर्स की अंतिम लिस्ट में सर्वाधिक वोटर्स जेन वाई यानी मिलेनियल्स ही हैं और इनकी ताकत और समझ को कम करके नहीं आका जा सकता। यह पीढ़ी हालातों से अधिक नजदीक से रुबरु हुई है। ऐसे में साफ हो जाना चाहिए कि वैसे तो 14 नवंबर को आने वाले रिजल्ट से ही स्पष्ट हो सकेगा कि किसकी सरकार बनती है और कौनसी पीढ़ी या कौनसे फैक्टर्स चुनाव नतीजों को अधिक प्रभावित कर पाते हैं पर इससे दो राय नहीं कि बिहार विधानसभा चुनावों में मिलेनियल्स की भूमिका अहम रहेगी। कोई भी दल या गठबंधन को मिलेनियल्स को कमतर आंकने की गलती करना निश्चित रुप से महंगा पड़ेगा।

पुण्यतिथि

कमलादेवी चट्टोपाध्याय

जन्म: 3 अप्रैल, 1903; मृत्यु: 29 अक्टूबर, 1988) भारत की समाज सुधारक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, तथा भारतीय हस्तकला के क्षेत्र में नवजागरण लाने वाली गाँधीवादी महिला थीं। उन्हे समाज सेवा के लिए 1955 में पद्म भूषण और सामुदायिक नेतृत्व के लिए सन 1966 में रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कल मिलेंगे

शादी के बाद सोनम अपनी सहेली प्रिया से मिली
प्रिया–क्या बात है, शादी के बाद परेशान सी रहने लगी हो?
सोनम–क्या बताऊं यार?
काम करूं तो मेरी सांस फूल जाती है और न करूं तो
सास फूल जाती है...

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

जब डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनपिंग की कटुता कम होगी तो भारत व अन्य देश भी लाभान्वित होंगे!

ट्रंप और शी जिनपिंग ने टैरिफ और निर्यात नियंत्रण पर महत्वपूर्ण बातें कही हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने बताया कि अमेरिका ने चीन पर 100 प्रतिष्ठित टैरिफ लगाने की योजना को अब टाल दिया है, जिससे बड़े टैरिफ युद्ध की आशंका कम हो गई है। दोनों देशों ने चीन की दुर्लभ पृथ्वी मृदा पदार्थों के निर्यात नियंत्रण को कुछ समय के लिए स्थगित करने पर सहमति जताई है

-कमलेश पांडेय

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की आसियान बैठक के बहाने हुई मुलाकात में मुख्यतः व्यापारिक तनाव को कम करने और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने पर गम्भीरता पूर्वक चर्चा हुई। बताया जाता है कि दोनों देशों ने टैरिफ, निर्यात नियंत्रण, कृषि उत्पादों के व्यापार, और फेंटेनाइल तस्करी जैसे अहम मसलों पर बातचीत की। खास बात यह रही कि बातचीत के दौरान अमेरिका ने चीन पर फेंटेनाइल की तस्करी का आरोप लगाया, जिसे ट्रंप ने अपनी बातचीत का मुख्य मुद्दा बनाया। इसके अलावा, रूस से तेल खरीद, अमेरिकी किसानों से आयात, व्यापार असंतुलन जैसे विषय भी बैठक में उठाए गए। यही वजह है कि दोनों देशों ने व्यापार युद्ध को खत्म करने और वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए बुनियादी सहमति पर पहुंचने की कोशिश की है। गौरतलब है कि दोनों देशों ने ही मुलाकात की पुष्टि की है, और यह माना जा रहा है कि संबंधों में सुधार की दिशा में यह एक सकारात्मक कदम है।

अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों के मुताबिक, जहां ट्रंप ने आने वाली पहली बातचीत में फेंटेनाइल मुद्दा उठाने की बात कही है, वहीं शी जिनपिंग ने भी वार्ता को रचनात्मक बताया। अगली मुलाकात आगामी 30 अक्टूबर को साउथ कोरिया के बुसान में होगी, जहां एपीईसी सम्मेलन भी आयोजित हो रहा है। इस बैठक में ताइवान और हांगकांग जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है, जिसमें ट्रंप ने लोकतंत्र समर्थक नेता जिमी लाई की रिहाई का मुद्दा उठाने की बात कही है।

कुल मिलाकर, यह मुलाकात अमेरिका-चीन के बीच बढ़ते व्यापारिक और राजनीतिक तनाव को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है जो वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वहीं, ट्रंप और शी जिनपिंग की आसियान बैठक में हुए व्यापार समझौते के प्रमुख बिंदु इस प्रकार हैं:-

पहला, व्यापार युद्ध विराम विस्तार: दोनों देशों ने व्यापार युद्ध विराम समझौते को विस्तारित करने पर सहमति बनाई, जिससे व्यापारिक तनाव कम होगा।

दूसरा, टैरिफ वार टालना: अमेरिका ने 1 नवंबर से चीन पर 100% टैरिफ लगाने की धमकी की थी, जिसे समझौते के तहत टाला गया। चीन ने अमेरिकी टैरिफ और निर्यात प्रतिबंधों पर सौहार्दपूर्ण वार्ता की सहमति दी।

तीसरा, फेंटेनाइल नियंत्रण: व्यापार के अलावा, फेंटेनाइल तस्करी के मुद्दे पर भी चर्चा हुई, जिसे अमेरिकी पक्ष ने गंभीरता से उठाया।

चतुर्थ, निर्यात नियंत्रण: चीन के रेयर अर्थ मिनरल्स और अन्य प्रमुख विनिर्माण इनपुट पर निर्यात नियंत्रण पर बातचीत हुई, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला स्थिर रह सके।

पंचम, कृषि एवं तेल आयात: अमेरिकी किसानों से फसल खरीद और रूस से तेल खरीद को लेकर भी बहस हुई, जो दोनों देशों के बीच व्यापार असंतुलन को कम करने में मदद करेगी।

षष्टम, वैश्विक आर्थिक स्थिरता: दोनों नेताओं ने वैश्विक बाजारों में स्थिरता बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई। समझा जाता है कि इस समझौते से अमेरिका-चीन के व्यापारिक विवादों में कमी आने और वैश्विक आर्थिक दुष्प्रभावों को कम करने की उम्मीद है। इसप्रकार से यह बैठक रणनीतिक आर्थिक सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, ट्रंप और शी जिनपिंग ने टैरिफ और निर्यात नियंत्रण पर महत्वपूर्ण बातें कही हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने बताया कि अमेरिका ने चीन पर 100 प्रतिष्ठित टैरिफ लगाने की योजना को अब टाल दिया है, जिससे बड़े टैरिफ युद्ध की आशंका कम हो गई है। दोनों देशों ने चीन की दुर्लभ पृथ्वी मृदा पदार्थों के निर्यात नियंत्रण को कुछ समय के लिए स्थगित करने पर सहमति जताई है। इस समझौते को लेकर दोनों पक्षों की बातचीत को "रचनात्मक और गहन" बताया गया है।

वहीं, चीन ने भी यह खुलकर माना है कि निर्यात नियंत्रण को लेकर प्रतिबंधों में ढील दी जा सकती है, जिससे वैश्विक सप्लाई चेन में स्थिरता बनी रहे। इस कदम से व्यापार में संतुलन आएगा और दोनों देशों के बीच तनाव कम होगा। इसके साथ ही, व्यापार युद्ध को खत्म कर आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

बता दें कि इस सबके पीछे प्रमुख कारण अमेरिका द्वारा 1 नवंबर से नए 100 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने की धमकी थी, जिसे चर्चा के बाद टाला गया। दोनों नेताओं की मुलाकात में इन मुद्दों को लेकर गंभीर और सकारात्मक बातचीत हुई है, जिससे व्यापारिक संबंध बेहतर हो सकेंगे। इसलिए, टैरिफ टालने और निर्यात नियंत्रण पर सहमति ने आगामी व्यापारीय विवादों को कम करने का मार्ग प्रशस्त किया है और एक संतुलित, स्थिर व्यापारिक वातावरण बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है।

इन बातों से स्पष्ट है कि ट्रंप और जिनपिंग की मुलाकात के वैश्विक मायने बड़े और कई पक्षों से देखे जा सकते हैं। कुल मिलाकर यह बैठक अमेरिका और चीन के बीच बढ़ रहे व्यापारिक तनाव, विशेषकर टैरिफ विवाद पर समाधान की उम्मीद जगाती है। बताया जाता है कि आगामी 30 अक्टूबर को दक्षिण कोरिया में दोनों देश के नेता मिलेंगे और अमेरिका द्वारा चीन पर लगाए गए 155 प्रतिशत से अधिक टैरिफ के मुद्दे पर बातचीत करेंगे, जिससे वैश्विक व्यापार में स्थिरता आ सकती है। इसके अलावा, इस मुलाकात में ताइवान की स्थिति, यूक्रेन युद्ध, और फेंटेनाइल की तस्करी जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी चर्चा होगी। ट्रंप ने कहा है कि उनका उद्देश्य किसानों के हितों का संरक्षण करते हुए दोनों देशों के बीच व्यावहारिक और पूर्ण समझौता करना है। कहना न होगा कि यदि यह वार्ता सफल होती है, तो इससे न केवल अमेरिका और चीन के द्विपक्षीय संबंध सुधरेंगे, बल्कि वैश्विक बाजारों में भी स्थिरता आएगी और ब्रिक्स देशों जैसे विकासशील देशों की स्थिति पर असर पड़ेगा। कुलमिलाकर यह मुलाकात एशिया-प्रशांत क्षेत्र की शांति और स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। संक्षेप में यदि कहा जाए तो, ट्रंप-जिनपिंग की मुलाकात विश्व के दो प्रमुख शक्तिशाली राष्ट्रों के बीच आर्थिक, कूटनीतिक और क्षेत्रीय स्थिरता हेतु निर्णायक क्षण है, जिसका प्रभाव वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था पर गहरा होगा। ट्रंप-जिनपिंग की मुलाकात के संदर्भ में ताइवान नीति पर संभावित बदलावों के संकेत कुछ मुख्य बिंदुओं से समझे जा सकते हैं:- पहला, अमेरिका ने हाल ही में ताइवान को लेकर अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर भाषा में बदलाव किए, जिससे चीन नाराज हुआ। अमेरिका का कहना है कि वह ताइवान में शांति और स्थिरता का समर्थन करता है और किसी भी एकतरफा बदलाव का विरोध करता है, लेकिन चीन इसे अमेरिका की गलत नीति मानता है। यह संकेत देता है कि अमेरिका ताइवान के साथ अपने अनौपचारिक संबंधों को जारी रखेगा पर चुनौतीपूर्ण स्थिति बनी रहेगी। दूसरा, ट्रंप प्रशासन ने अपने सहयोगी देशों से पूछा है कि यदि चीन ताइवान पर हमला करता है तो उनका क्या रुख होगा। इसका मतलब यह है कि अमेरिका संभावित सैन्य संघर्ष की स्थिति के लिए बहुपक्षीय समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहा है, जो ताइवान के मुद्दे को और अधिक संवेदनशील बना सकता है।

तीसरा, ट्रंप की जिनपिंग से मुलाकात में ताइवान मुद्दे पर बातचीत होने की पुष्टि हुई है, जिसमें ट्रंप ने कहा कि वे ताइवान के लिए सम्मान रखते हैं और इस विषय पर चर्चा करेंगे। यह दशार्ता है कि अमेरिका ताइवान नीति में किसी बड़े बदलाव की संभावना पर विचार कर रहा है, खासकर चीन के साथ तनाव के बीच।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

तेजस्वी को पिता का आशीर्वाद, तेज प्रताप को खुद पर भरोसा, कौन बनेगा लालू की विरासत का असली वारिस?

तेज प्रताप का कहना है कि राजद में लौटने से अच्छा मौत चुनना है। लेकिन बिहार के लोग जानते हैं कि इस परिवार के राजनीतिक रिश्ते हमेशा तलाकशुदा नहीं होते। वे तकरार के बीच भी साथ जीने की कला जानते हैं। तेज प्रताप के वादे भी हमेशा की तरह रंगीन हैं–अगर जीत गया, तो महुआ में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बनाऊँगा, जहाँ भारत–पाकिस्तान मैच होगा

-नीरज कुमार दुबे

बिहार की राजनीति एक बार फिर उसी मोड़ पर है, जहां सत्ता की जड़ें वंश, विरासत और विद्रोह के ताने-बाने में उलझी हुई हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के दो बेटे-तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव आज एक-दूसरे से अलग राहों पर खड़े हैं, लेकिन दोनों की राजनीति अब भी एक ही राजनीतिक केंद्र की परिक्रमा करती दिखती है। एक ओर राघोपुर है-जिसे लोग "मुख्यमंत्रियों की धरती" कहते हैं। यही वह सीट है जिसने पहले लालू प्रसाद और फिर राबड़ी देवी को सत्ता के शिखर तक पहुँचाया। अब वहीं से लालू के छोटे पुत्र तेजस्वी यादव तीसरी बार मैदान में हैं और इस बार वह सिर्फ उम्मीदवार नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री पद के दावेदार भी हैं।

दूसरी ओर है महुआ-जहां कभी बड़े भाई तेज प्रताप यादव ने अपनी पहली जीत दर्ज की थी। अब वह उसी भूमि पर लौटे हैं, लेकिन इस बार पिता की पार्टी से निष्कासित होकर, एक नई राजनीतिक पहचान के साथ-जनशक्ति जनता दल के मुखिया के रूप में। देखा जाये तो यह चुनाव सिर्फ सीटों का मुकाबला नहीं, बल्कि एक परिवार के भीतर विचारों, अहं और नेतृत्व की टकराहट का भी मंच बन गया है। राघोपुर की बात करें तो आपको बता दें कि वैशाली जिले का राघोपुर विधानसभा क्षेत्र इस बार बिहार चुनाव का सबसे हाई-प्रोफाइल रणक्षेत्र बन चुका है। यहाँ के 3.4 लाख से अधिक मतदाता जानते हैं कि उनका फैसला राज्य का भविष्य तय कर सकता है। तेजस्वी यादव, महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में तीसरी बार चुनाव मैदान में हैं। उनके अभियान का केंद्र है-परिवर्तन की राजनीति। रैलियों में वह बार-बार कहते हैं, यह चुनाव बिहार को दिशा देने का अवसर है, केवल सरकार बदलने का नहीं। राजद के पारंपरिक यादव वोटों के साथ इस बार वाम दलों और कांग्रेस का भी साथ है। निषाद वोटों में पकड़ रखने वाली वीआईपी पार्टी भी गठबंधन का हिस्सा है। लेकिन इस गठबंधन के लिए बड़ी चुनौती साबित हो रहे हैं भाजपा के सतीश कुमार। वही सतीश कुमार जिन्होंने 2010 में राबड़ी देवी को हराकर इस वीआईपी सीट को झटका दिया था।

सतीश कुमार सवाल उठाते हैं-दो बार उपमुख्यमंत्री रहे तेजस्वी अपने क्षेत्र के लिए एक कॉलेज या अस्पताल तक नहीं दिला सके। अगर स्थानीय विकास नहीं दिखा, तो राज्य के विकास के वादों पर भरोसा कैसे किया जाए? तेजस्वी पर भरोसा करने वाला यादव वर्ग भी इस बार आत्ममंथन की स्थिति में है। एक ओर वह अपना लड़का देख रहे हैं, तो दूसरी ओर बीते दो दशकों की सत्ता-विहीनता की कसक भी महसूस कर रहे हैं।

दूसरी ओर, राघोपुर से करीब 30 किलोमीटर दूर महुआ में कहानी बिल्कुल अलग लेकिन उतनी ही भावनात्मक है। यही वह सीट है जहाँ 2015 में तेज प्रताप यादव ने अपनी पहली राजनीतिक जीत दर्ज की थी। अब वह लौटे हैं, लेकिन इस बार बिना राजद के झंडे के। महुआ में एक दिलचस्प कहावत सुनाई देती है-घी दाल में ही गिरता है। मतलब यह कि चाहे तेज प्रताप को वोट दो या राजद को, फायदा अंततः लालू परिवार को ही होगा। यह भावनात्मक रिश्ता अभी भी बिहार के यादव मतदाता के दिल में ज़िंदा है। राजद ने इस सीट पर अपने वफादार मौजूदा विधायक मुकेश रौशन को उम्मीदवार बनाया है। रौशन की सबसे बड़ी चुनौती तेज प्रताप नहीं, बल्कि भावनाएं हैं-जो लालू परिवार की हर शाखा को जोड़ती हैं।

तेज प्रताप का कहना है कि राजद में लौटने से अच्छा मौत चुनना है। लेकिन बिहार के लोग जानते हैं कि इस परिवार के राजनीतिक रिश्ते हमेशा तलाकशुदा नहीं होते। वे तकरार के बीच भी साथ जीने की कला जानते हैं। तेज प्रताप के वादे भी हमेशा की तरह रंगीन हैं-अगर जीत गया, तो महुआ में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बनाऊँगा, जहाँ भारत-पाकिस्तान मैच होगा। पर जमीनी हकीकत कुछ और है-मेडिकल कॉलेज बना, लेकिन दरवाजे बंद हैं; भवन खड़ा है, मगर बिस्तर नहीं। यही कारण है कि महुआ का मतदाता आज दिल और दिमाग के बीच झूल रहा है।

इसके अलावा, बिहार की राजनीति में लालू प्रसाद यादव की विचारधारा आज दो दिशाओं में बंटती दिख रही है। तेजस्वी उस विचारधारा को आधुनिक चेहरे में ढालना चाहते हैं और अपने भाषणों में बेरोजगारी, शिक्षा और शासन की नई भाषा के बारे में बात कर रहे हैं वहीं तेज प्रताप उस विचारधारा को भावनात्मक लोकलुभावन रूप में जिंदा रखना चाहते हैं और अपने भाषणों में धर्म, जाति और गौरव के प्रतीकों का जिक्र कर रहे हैं। राघोपुर से तेजस्वी जहाँ लालू का विकल्प बनने की कोशिश में हैं, वहीं महुआ में तेज प्रताप विरासत के बोझ और आशीर्वाद के बीच झूलते दिख रहे हैं।

बहरहाल, अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि इस चुनावी रणभूमि में लालू प्रसाद का आशीर्वाद ज्यादा असर दिखाता है या लालू प्रसाद का नाम। देखना दिलचस्प होगा कि पिता के समर्थन से राघोपुर में उतरा छोटा बेटा तेजस्वी यादव सत्ता की सीढ़ियाँ चढ़ता है या फिर अपने दम और अदाओं के भरोसे मैदान में उतरा बड़ा बेटा तेज प्रताप यादव कोई चमत्कार कर दिखाता है।

बिहार की जनता जानती है-यहाँ राजनीति सिर्फ गणित नहीं, थोड़ा तंत्र और बहुत सारा नाट्यशास्त्र भी है। बाकी, घी दाल में गिरता है या हांडी में, यह तो मतगणना वाले दिन ही पता चलेगा!

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

रूस के तेल डिपो पर यूक्रेन का ड्रोन अटैक

(एजेन्सी)।

यूक्रेन के खारकीव में रूस का विनाशक हमला देखने को मिला है। खारकीव में ग्लाइड बम से स्ट्राइक से दहशत मच गई है। कीव और खारकीव में जो हमला हुआ हैरान करने वाली तस्वीरें आपके सामने आई। लेकिन इसी के साथ यूक्रेन ने काउंटर अटैक करते हुए रूस की इनफेंट्री पर विनाशक हमला कर दिया। बताया जा रहा है यहां पर कई रशियन सोल्जर्स थे। फ्रांस के एएसएम हैमर ग्लाइड बम से दहला दिया गया है। यूक्रेनी विशेष बलों ने कहा कि उनके ड्रोन ने कब्जे वाले लुहांस्क क्षेत्र में एक रूसी ईंधन डिपो पर हमला किया। यूक्रेनी विशेष बलों ने कहा कि ईंधन डिपो और तेल बेस रूस की अग्रिम पंक्ति को आपूर्ति करते थे। उन्होंने कहा कि जब टैंक भरे हुए थे, तब ड्रोन ने हमला किया, जिससे विस्फोट और भी तेज हो गया। सामने आई तस्वीरों में नाइट-विजन में ईंधन टैंकरों पर कई ड्रोन हमले दिखाई दे रहे हैं। शुरूआती हमलों के बाद आग की लपटें दिखाई दे रही हैं। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि रूस ने नौ मिसाइलें और 62 ड्रोन दागे, जिनमें से चार मिसाइलें और 50 ड्रोन को रोक दिया गया। रूस में रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने रात भर में रूस के ऊपर 121 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि वह व्लादिमीर पुतिन के साथ तब तक कोई बातचीत नहीं करेंगे जब तक यह स्पष्ट न हो जाए कि रूसी नेता यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए कोई समझौता करने को लेकर गंभीर हैं। एशिया की यात्रा पर जाते हुए ट्रंप ने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से कहा, "मुझे यह जानना होगा कि हम एक समझौता करने जा रहे हैं। मैं अपना समय बर्बाद नहीं करने वाला।

पहले ठोका, फिर 15 घंटे तक रगड़वाई नाक, फिर भी नहीं माना तालिबान

(एजेन्सी)।

तालिबान के हाथों पाकिस्तान को एक बार फिर शर्मसार होना पड़ा है। तुर्किए की राजधानी इस्तांबुल में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच 15 घंटे से ज्यादा चली शांति वार्ता आखिरकार बेनतीजा रही। घंटों की माथा पच्ची के बाद भी कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकल पाया। दरअसल, इस बैठक में तालिबान ने पाकिस्तान को उसके ही जुबान में जवाब दिया। पाकिस्तान जिस आतंकवाद का रोना दुनिया के सामने रोता फिर रहा है। उसी का ठीकरा अफगानिस्तान ने अब पाकिस्तान के सिर पर फोड़ दिया है। तालिबान ने साफ कहा कि पाकिस्तान को अपनी जमीन का इस्तेमाल अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं होने देना चाहिए। यानी वही बात जो पाकिस्तान अब तक अफगानिस्तान पर थोपता आया है। टोलो न्यूज के मुताबिक अफगानिस्तान ने वार्ता के दौरान पाकिस्तान के सामने दो शर्तें रखी। पहली की पाकिस्तान किसी भी हालत में अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र या लैंड बॉर्डर का उल्लंघन नहीं करेगा। दरअसल, हाल ही में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के कई इलाकों पर एयर स्ट्राइक की थी। जिसमें राजधानी काबुल भी शामिल था।

दूसरी शर्तें थी कि पाकिस्तान अपने इलाके का इस्तेमाल अफगानिस्तान के दुश्मनों के लिए नहीं होने देगा। अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय और पाकिस्तान के सेना एवं रक्षा मंत्री के प्रवक्ताओं ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। दोनों पक्षों से अपेक्षा की जाती है कि वे आगे तनाव बढ़ने से रोकने के लिए गुप्त संपर्क जारी रखें। हालाँकि, ठोस प्रगति के बिना, सीमा पर झड़पें और कूटनीतिक तनाव जारी रहने की संभावना है, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता के प्रयास जटिल हो जाएँगे।

इन दोनों शर्तों ने पाकिस्तान की बौखलाहट बढ़ा दी। क्योंकि अब तालिबान ने उस पर वही आरोप मढ़ दिए हैं जो पाकिस्तान हमेशा दूसरों पर लगाता रहा है। तालिबान का ये रुख पाकिस्तान के लिए एक बड़ा झटका है। अपनी नाकामी को छुपाने के लिए पाकिस्तान अब तालिबान को जिद्दी बताने में जुट गया है। पाकिस्तानी मीडिया ने भी सरकार की लाइन पकड़ ली। जियो न्यूज ने रिपोर्ट दी कि वार्ता इसलिए फेल हुई क्योंकि तालिबान के तर्क अतार्किक और जमीनी हकीकत से अलग हैं। पाकिस्तान का दावा है कि उसने तालिबान को स्पष्ट और सबूत आधारित मांगे दी थी। लेकिन तालिबान ने सकारात्मक रुख नहीं दिखाया।

यानी जो देश दशकों से झूठे सबूतों पर पूरी विदेश नीति चलाता आया है। वो अब दूसरों से इमानदारी की उम्मीद कर रहा है। इस वार्ता के दौरान पाकिस्तान का पुराना प्रोपोगैंडा फिर सामने आया। इस्लामाबाद ने आरोप लगाया कि अफगानिस्तान की धरती से पाकिस्तान पर हमले हो रहे हैं। तालिबान शासन इन आतंकी नेटवर्क को खत्म करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। जवाब में तालिबान ने साफ कहा कि पाकिस्तान को पहले खुद अपनी जमीन पर पल रहे आतंकियों से निपटना चाहिए। पाकिस्तान के आरोप निराधार है। अफगानिस्तान किसी के लिए खतरा नहीं है और किसी भी देश के लिए उनकी मंशा खराब नहीं है।

2027 विश्व कप तक खेल सकते हैं रोहित शर्मा!

(एजेन्सी)।

रोहित शर्मा को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संभावित संन्यास की चर्चा अब उनकी उम्र 38 वर्ष होने के साथ लगातार बढ़ती जा रही है, खासकर तब से जब उन्होंने टेस्ट और टी20 प्रारूप से दूरी बना ली। हालांकि उन्होंने वनडे क्रिकेट से संन्यास लेने के संकेत अब तक नहीं दिए हैं। ऐसे समय में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेली गई उनकी नाबाद 121 रनों की शानदार पारी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह अब भी भारत को जीत की ओर ले जाने की क्षमता रखते हैं।

बता दें कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस सीरीज में रोहित का बदला हुआ फिटनेस लेवल भी सभी का ध्यान खींच रहा था, जहां उनका वजन कम दिखाई दिया और उनका मूवमेंट और तेज नजर आया। इसी बीच उनके बचपन के कोच दिनेश लाड ने संन्यास से जुड़ी सभी अटकलों को सिरे से खारिज करते हुए साफ कहा है कि रोहित अभी संन्यास का कोई इरादा नहीं रखते। मौजूद जानकारी के अनुसार, लाड ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए कहा कि रोहित ने आलोचकों को जवाब देने के लिए अपनी बैटिंग को ही हथियार बनाया है। कई लोगों का मानना था कि 2027 विश्व कप में यशस्वी जायसवाल उनकी जगह ले सकते हैं, मगर रोहित ने हालिया दो पारियों पहले 73 और फिर 121* रन से दिखा दिया कि वह अब भी भारत के लिए मैच जिताने वाले खिलाड़ी हैं। लाड के अनुसार, रोहित की सफलता का राज उनका आत्मविश्वास है। कोच ने यह भी पुष्टि की कि रोहित का लक्ष्य वर्ष 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप तक खेलना है और संभवतः वह उसके बाद ही संन्यास पर विचार करेंगे। गौरतलब है कि रोहित ने हाल ही में तीन मैचों की सीरीज में कुल 202 रन बनाए और प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुने गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद अब भारत लौट रहे हैं और वर्ष के अंत में होने वाली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगली वनडे श्रृंखला की तैयारियों में जुटने वाले हैं।

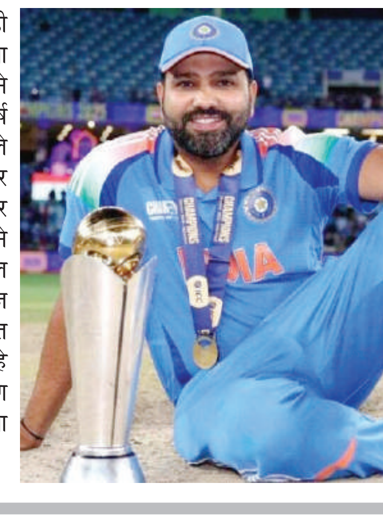

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए सबसे बड़ी खुशखबरी, टर्म ऑफ रेफरेंस को सरकार की मंजूरी

(एजेन्सी)।

कैबिनेट ने मंगलवार को 8वें केंद्रीय वेतन आयोग (सीपीसी) के कार्यक्षेत्र (टीओआर) को मंजूरी दे दी, जिससे लगभग 50 लाख केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन और 65 लाख पेंशनभोगियों के भत्तों में संशोधन होगा। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, 8वां केंद्रीय वेतन आयोग एक अस्थायी निकाय होगा और इसमें एक अध्यक्ष, एक अंशकालिक सदस्य और एक सदस्य-सचिव शामिल होंगे। कैबिनेट द्वारा अनुमोदित संरचना के अनुसार, न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगी। यह पैनल अपने गठन के 18 महीनों के भीतर अपनी सिफारिशें देगा।

सरकार ने कहा कि यदि आवश्यक हो, तो सिफारिशों को अंतिम रूप दिए जाने पर किसी भी मामले पर अंतरिम रिपोर्ट भेजने पर विचार किया जा सकता है। सातवें वेतन आयोग का कार्यकाल 2026 में समाप्त होगा। 1947 से अब तक सात वेतन आयोग गठित किए जा चुके हैं, जिनमें से अंतिम 2016 में लागू हुआ था। सातवें वेतन आयोग का गठन 2014 में हुआ था और इसकी सिफारिशें 1 जनवरी, 2016 को लागू की गई थीं।

परेश रावल की फिल्म द ताज स्टोरी पर विवाद, कानूनी लड़ाई शुरू

(एजेन्सी)। आगामी फिल्म द ताज स्टोरी का ट्रेलर गुरुवार (16 अक्टूबर) को जारी किया गया था, जिसमें अभिनेता परेश रावल एक पर्यटक गाइड की भूमिका में हैं, जो भारत के सबसे प्रसिद्ध स्मारक से जुड़े कथित रहस्यों को उजागर करना चाहता है। हालाँकि इसे सुस्थापित इतिहास पर संदेह जताने के लिए कुछ आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है, लेकिन यह ध्यान देने योग्य है कि ताज के बारे में दावे नए नहीं हैं। मई 2022 में, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक याचिका खारिज कर दी जिसमें "ताजमहल के वास्तविक इतिहास का अध्ययन और प्रकाशन करने के लिए एक तथ्य खोजी समिति" और "विवाद को शांत करने के लिए ताजमहल के अंदर सीलबंद दरवाजों (लगभग 22 कमरों) को खोलने का निर्देश" देने की मांग की गई थी। फिल्म द ताज स्टोरी को लेकर अक और दावा अब सामने आया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की स्थानीय इकाई के एक पदाधिकारी ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) में एक शिकायत दर्ज कर अभिनेता परेश रावल अभिनीत आगामी फिल्म द ताज स्टोरी पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है और दावा किया है कि यह फिल्म उच्च न्यायालय में दायर उनकी एक याचिका के विषय पर आधारित है।

भाजपा की अयोध्या इकाई के प्रवक्ता रजनीश सिंह ने अक्टूबर 2022 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में एक याचिका दायर की थी, जिसमें ताजमहल के अंदर के 22 बंद कमरों को खोलने की मांग करते हुए यह दावा किया गया था कि स्मारक मूल रूप से एक मंदिर था। सोमवार को सूचना और प्रसारण मंत्रालय और सीबीएफसी को अपनी शिकायत में, सिंह ने कहा, ह्लमैंने ताजमहल के 22 बंद कमरों को खोलने के लिए एक जनहित याचिका दायर की थी। उक्त याचिका में मेरा उद्देश्य केवल ऐतिहासिक तथ्यों की पारदर्शिता और सत्यापन सुनिश्चित करना था। मुझे पता चला है कि फिल्म द ताज स्टोरी मेरी याचिका के विषय पर आधारित है। उन्होंने आरोप लगाया कि ह्लफिल्म के पोस्टर, प्रचार सामग्री और कहानी में, न्यायिक विषय वस्तु, याचिका का संदर्भ, और संबंधित विवरण मेरी अनुमति के बिना और भ्रामक तरीके से प्रस्तुत किए गए हैं। यह मेरे बौद्धिक और कानूनी अधिकारों का उल्लंघन है।

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ पूजा का हुआ समापन

संजना भारती संवाददाता

भरगामा (अररिया)। छठ महापर्व का चौथा और आखिरी दिन मंगलवार को धूमधाम से मनाया गया। भरगामा प्रखंड क्षेत्र के तमाम छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी दिखी। सभी श्रद्धालुओं ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर अपने 36 घंटे के उपवास को खोला। इस दौरान आमलोगों से लेकर नेताओं तक सभी भगवान भास्कर की पूजा में मंत्रमुग्ध नजर आए। इस दौरान उपासकों के लिए घाटों पर विशेष इंतजाम किए गए। उगते सूर्य को उषा अर्घ्य अर्पित करने के लिए तड़के सुबह से हीं श्रद्धालु घाटों पर नजर आए। पूरा स्थल ह्यछठ मइया के जयघोष, भक्ति गीतों और सूर्य अर्घ्य की आराधना से गूंज उठा। इसके साथ हीं चार दिवसीय छठ पूजा का यह महापर्व हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो गया।

बताते चलें कि सूर्योदय से पूर्व हीं नदी और पोखर के जल में प्रवेश कर छठव्रतियां भगवान भास्कर का ध्यान करती रही। जैसे-जैसे प्रातः काल आकाश का क्षितिज सूर्य की लालिमा से सिन्दूरी आभा में परिणत होने लगा। श्रद्धालुओं का उत्साह भगवान सूर्य को अर्घ्य दान के लिए तत्पर दिखा। जैसे हीं आकाश में भगवान सूर्य की पहली किरण दिखाई दी वैसे हीं छठ व्रती और श्रद्धालुओं ने अर्घ्य देना प्रारंभ किया। व्रतियों ने परिजनों के साथ विभिन्न प्रकार के पकवान व फल आदि पूजन सामग्रियों से सुसज्जित सूप सहित भगवान सूर्य को अर्घ्य प्रदान किया। छठव्रत के दौरान नियम निष्ठा से अर्घ्य देकर व्रतियों और श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य से परिजनों के लिए आयुष्य आरोग्यता और सुख समृद्धि का आशीष मांगा।

शंकरपुर लछहा नदी के तट पर, पैकपार, सोनापुर, सिमरबनी, जयनगर, कुसमौल,भरगामा, कदमाहा, सोनापुर, खजुरी,मनुल्लाहपट्टी आदि घाटों पर चारों तरफ हजारों लोग तड़के सुबह से लेकर छठव्रत संपन्न होने तक मौजूद रहे। छठ पूजा के समापन पर छठव्रतियों ने नदी,पोखर,नहर तट पर मौजूद सुहागिनों को सिंदुर पहनाया और प्रसाद वितरण किया। इस क्रम में छठ घाटों पर छठव्रतियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक पदाधिकारी मौजूद रहे।

2047 का विजन बना जनआंदोलन, 60 लाख सुझावों से सजे 'समर्थ यूपी' के सपने

एमएसएमई को सशक्त बनाने, महिला सुरक्षा और डिजिटल सशक्तिकरण पर मिल रहे सुझाव

संजना भारती संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप उत्तर प्रदेश को 2047 तक विकसित प्रदेश बनाने के लक्ष्य को लेकर चल रहा 'समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @2047: समृद्धि का शताब्दी पर्व महा अभियान' जनभागीदारी का प्रतीक बनता जा रहा है। मंगलवार तक प्रदेश के 75 जनपदों में नोडल अधिकारियों एवं प्रबुद्ध जनों द्वारा भ्रमण कर विभिन्न लक्षित समूहों छात्र, शिक्षक, उद्यमी, कृषक, स्वयंसेवी संगठन, श्रमिक संगठन, मीडिया एवं आम नागरिकों से संवाद स्थापित किया गया। इस दौरान लोगों से प्रदेश की विकास यात्रा और भविष्य के रोडमैप पर सुझाव लिए गए। अब तक पोर्टल samarthuttarpradesh.up.gov.in पर करीब 60 लाख फीडबैक प्राप्त हुए हैं। इनमें से 75 फीसदी से ज्यादा सुझाव ग्रामीण क्षेत्रों से मिले हैं।

ग्रामीण जन से लेकर उद्यमियों तक सभी ने रखी राय: बुलंदशहर के रिकेश कुमार ने कहा कि गांव में उद्योग और शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। यदि सरकार निजी साझेदारी (पीपीपी मॉडल) के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को प्राथमिकता दे, तो पलायन की समस्या खत्म हो सकती है। वहीं, शकील खान ने कहा कि राज्य को औद्योगिक शक्ति बनाने के लिए एमएसएमई को आसान ऋण, तकनीकी सहयोग और जिला-आधारित उद्योग पार्क की जरूरत है।

निगार फातिमा ने निवेश आकर्षित करने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम, हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग और महिला स्किल मिशन पर जोर दिया। सीमा कुमारी ने कढ़ाई, सिलाई और अगरबत्ती निर्माण जैसे कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की बात कही। जोगिंदर सिंह ने कहा कि स्कूल स्तर से ही शिक्षा को व्यावहारिक और कौशल आधारित बनाया जाए ताकि युवा आत्मनिर्भर बन सकें।

नागरिकों ने पर्यटन विकास पर जोर दिया: अंकित गुप्ता ने मां बेला देवी धाम व शनिदेव मंदिर जैसे धार्मिक स्थलों के विकास की बात की, डॉ. सुनील शाह ने बेल्हा देवी मंदिर के आसपास कॉरिडोर निर्माण का सुझाव दिया, जबकि रीता जायसवाल और रामेन्द्र त्रिपाठी ने पर्यटन स्थलों पर सुव्यवस्थित दर्शन व्यवस्था और सांस्कृतिक पुनर्जीवन की जरूरत बताई।

खेलो इंडिया और डिजिटल लाइब्रेरी के लिए सुझाव: बलिया से गीता देवी ने खेलो इंडिया जैसे कार्यक्रमों को स्थानीय स्तर पर विस्तार देने का सुझाव दिया, जबकि प्रदीप कुमार ने गांवों में डिजिटल लाइब्रेरी और रोजगार सृजन केंद्र खोलने की मांग रखी।

साफ-सुथरा प्रशासन, बेहतर कानून व्यवस्था पर जोर: बरेली के राजकुमार सिंह ने भिखारियों व साधुओं की पहचान प्रणाली, फलदार वृक्षारोपण अनिवार्यता और पुरानी पेंशन योजना लागू करने की बात कही।

बस्ती की शाइस्ता फिरोज ने महिला सुरक्षा, स्किल मिशन, डीबीटी व्यवस्था और बाल विकास योजनाओं को सशक्त करने पर जोर दिया। गाजियाबाद के राजेश अग्निहोत्री ने साफ-सुथरा प्रशासन, बेहतर कानून व्यवस्था और इन्फ्रास्ट्रक्चर सुधार की मांग की।

युवाओं ने दिखाई सबसे अधिक भागीदारी: आंकड़ों के अनुसार, करीब 30 लाख सुझाव 31 वर्ष से कम आयु वर्ग के युवाओं ने दिए हैं, जबकि 26 लाख से अधिक सुझाव 31-60 वर्ष आयु वर्ग से और 3 लाख से अधिक सुझाव वरिष्ठ नागरिकों से प्राप्त हुए हैं।

कृषि और शिक्षा सबसे बड़े फोकस सेक्टर: विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त सुझावों में कृषि (16 लाख) और शिक्षा (15 लाख) सबसे आगे हैं। इसके अलावा ग्रामीण विकास (12 लाख), समाज कल्याण (5 लाख), स्वास्थ्य (4 लाख), पशुधन (3 लाख), इंडस्ट्री (2.5 लाख) और आईटी-टेक (2 लाख) से भी भारी संख्या में सुझाव मिले हैं। जनपदवार आंकड़ों में जौनपुर पहले, संभल दूसरे, गाजीपुर तीसरे, प्रतापगढ़ चौथे और बिजनौर पांचवें स्थान पर हैं। वहीं, इटावा, महोबा, हापुड़, गौतमबुद्ध नगर और ललितपुर में सुझाव अपेक्षाकृत कम प्राप्त हुए हैं।

जन-जागरूकता बैठकों से बढ़ा संवाद: महाभियान के तहत राज्यभर में व्यापक जनसंवाद अभियान चलाया गया है। अब तक 214 नगर पालिकाओं, 18 नगर निगमों, 63 जिला पंचायतों, 556 नगर पंचायतों, 751 क्षेत्र पंचायतों और करीब 50 हजार ग्राम पंचायतों में बैठकों व गोष्ठियों का आयोजन किया जा चुका है।

इन आयोजनों से स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और विभागों के बीच संवाद को मजबूती मिली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन 'समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @2047' के अनुरूप प्राप्त सुझावों के आधार पर अब विजन डॉक्यूमेंट निर्माण प्रक्रिया जारी है। यह अभियान न केवल विकास का खाका तैयार कर रहा है, बल्कि साझा भागीदारी के माध्यम से जन-जन तक संवाद का सशक्त सेतु बनता जा रहा है।

कई गावों में महागठबंधन प्रत्याशी अवधेश कुमार राय ने किया जनसंपर्क

एसबी ब्यूरो

बछवाड़ा(बेगूसराय)। बछवाड़ा प्रखंड क्षेत्र के चमथा एक,और दो सहित भगवानपुर प्रखंड क्षेत्र के अतरुआ, महेशपुर, किरतपुर, चंदौर, मेहदौली, रसरपुर, औगान सहित कई गावों में महागठबंधन के प्रत्याशी अवधेश कुमार राय ने अपने समर्थकों के साथ जनसंपर्क अभियान चलाया। इस जनसंपर्क अभियान में महागठबंधन के सभी घटक दलों के सदस्य मौजूद थे। लोगों का कहना है कि हम लोगों ने पांच साल एनडीए समर्थित उम्मीदवार को हम लोगों ने देखा।

पांच साल में एनडीए समर्थित उम्मीदवार ने हम लोगों के गांव में किसी भी प्रकार का कोई काम नहीं किए हैं, इसलिए हम लोगों ने सोचा है कि इस बार महागठबंधन के उम्मीदवार अवधेश कुमार राय को हम लोगों ने पूरा समर्थन देने का विचार रखा है।

उक्त मौके पर मिडिया प्रभारी अखिलेश कुमार, कुमार प्रभात, धर्मेंद्र कुमार, सोली राय, उपेंद्र राम, कैलाश सहनी, राजेंद्र चौधरी, विद्यासागर ब्रह्मचारी, महेश राय, राजीव कुमार वत्स सहित अन्य मौजूद थे।

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र की एकता और अखंडता को सशक्त बनाने में योगदान दें युवा-शक्ति रानी शर्मा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

पंचकूला। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के दिशा निर्देश अनुसार सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती के उपलक्ष्य में आज मेरा युवा भारत, पंचकूला की जिला युवा अधिकारी स्निग्धा सिंह के तत्वधान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, सेक्टर 26, पंचकूला में किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विधायक, कालका, श्रीमती शक्ति रानी शर्मा रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में युवाओं का आह्वान किया कि वे सरदार पटेल जी के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र की एकता और अखंडता को सशक्त बनाने में योगदान दें।

जिला युवा अधिकारी स्निग्धा सिंह दने ने सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जीवनी पर प्रकाश डाला और युवाओं को संदेश दिया कि वह भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभ पटेल के दिखाए मार्ग को अपनाए और राष्ट्र निर्माण में अपनी एकता, अखंडता को बनाए रखे। उन्होंने बताया कि सरदार वल्लभ पटेल जी की 150 जयंती पर पूरे भारत में सभी जगहों ग्राम स्तर, ब्लॉक स्तर, जिला स्तर पर पदयात्रा का आरम्भ 31 अक्टूबर से 26 नवंबर तक किया जा रहा है जिसमें अलग अलग तरह की गतिविधियों का आयोजन किया जाना है। इसमें सभी ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग ले। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मेरा युवा भारत, पंचकूला द्वारा आगामी युवाओं की पदयात्रा कार्यक्रम एवं राष्ट्र एकता अभियान की रूपरेखा भी प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, रणबीर सिंह प्रिंसिपल गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज, उमेश सूद, कुलदीप सिंह, नरेंद्र सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मेरा युवा भारत, पंचकूला की टीम द्वारा किया गया।

पंचकूला पुलिस ने चोरीशुदा ई-रिक्शा असल मालिक तक पहुंचाया, चंडीगढ़ में मामला दर्ज

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

पंचकूला। डीसीपी सृष्टि गुप्ता के नेतृत्व में पंचकूला पुलिस की सेक्टर-10 चौकी टीम ने मानवता और पुलिसिंग का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए लावारिश हालत में मिले ई-रिक्शा को उसके वास्तविक मालिक तक पहुंचाया है।

डीसीपी ने बताया कि सेक्टर-10 चौकी इंचार्ज रवि प्रकाम की टीम 13 अक्टूबर की रात गश्त पर थी इसी दौरान सेक्टर-11 बूथ मार्केट से बिना चालक खड़ा एक ई-रिक्शा बरामद किया गया। प्राथमिक जांच के बाद पुलिस ने ई-रिक्शा को कब्जे में लिया गया।

जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि यह ई-रिक्शा बलटाना निवासी प्रेम कुमार का है, जिसकी चोरी की शिकायत 13 अक्टूबर को ही मौली जांगरा थाना, चंडीगढ़ में दर्ज की गई थी। मामले की पुष्टि होने पर पंचकूला पुलिस ने चंडीगढ़ पुलिस प्रशासन को अवगत कराया तथा आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर 25 अक्टूबर को ई-रिक्शा उसके मालिक प्रेम कुमार को सुपुर्द कर दिया। प्रेम कुमार के अनुसार ई-रिक्शा की कीमत लगभग सवा लाख रुपये है और चोरी की घटना के बाद से वह काफी परेशान था। वाहन वापिस मिलने पर उसने पंचकूला पुलिस का आभार व्यक्त किया। डीसीपी ने कहा कि शहर में संदिग्ध या लावारिश हालत में मिले वाहनों की त्वरित जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाती है, ताकि चोरी की घटनाओं पर रोक और संपत्ति की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित हो सके।

भविष्य में किसी भी पद पर रहें अथवा कोई भी काम करें तो लोक कल्याण की भावना को सदैव आगे रखें-राज्यपाल बागडे

संजना भारती संवाददाता

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि दीक्षांत समारोह शिक्षा का अंत नहीं, अपितु अर्जित ज्ञान के व्यावहारिक उपयोग का शुभारंभ है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अपने ज्ञान का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करें।

श्री बागडे मंगलवार शाम को उदयपुर जिले के भटेवर में स्थित सर पदमपत सिंघानिया विश्वविद्यालय के 12वे दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री बागडे ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि भविष्य में किसी भी पद पर रहें अथवा कोई भी काम करें तो लोक कल्याण की भावना को सदैव आगे रखें। ज्ञान का कभी अहंकार नहीं पालें। श्री बागडे ने युवाओं को समय प्रबंधन का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शन के अनुसार उम्र के पहले 25 वर्ष अध्ययन करते हुए समय को योग्य और समर्पित नागरिक बनाने के है, उसका सदुपयोग करें। समय किसी दुकान पर नहीं मिलता, इसलिए उसका प्रबंधन करना सीखें। राज्यपाल श्री बागडे ने भारतीय संसद के प्रथम अध्यक्ष जी वी मावलंकर से जुड़ा प्रेरक प्रसंग सुनाते हुए विद्यार्थियों को अन्न की बर्बादी रोकने की भी नसीहत दी। उन्होंने कहा कि हर कार्य में नियोजन का बड़ा महत्व है। थाली का नियोजन भी उसी का हिस्सा है। यदि हम कितना खा पाएंगे, उसका अंदाज लगाए बिना थाली भर लें और बाद में वह भोजन व्यर्थ हो तो यह ठीक नहीं है।

राज्यपाल श्री बागडे ने कहा कि वर्ष 2047 तक आजादी की 100वीं वर्षगांठ पर देश को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प है। इसमें युवाओं की बड़ी भूमिका है। उन्होंने सभी से इस संकल्प को साकार करने में योगदान का आह्वान किया। राज्यपाल श्री बागडे ने भारतीय ज्ञान कोष को उल्लेख करते हुए युवाओं से उसके बारे में जानने और शोध करने के लिए भी प्रेरित किया। राज्यपाल श्री बागडे ने मेवाड़ के शौर्य और बलिदान से प्रेरणा लेते हुए राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित होने का आह्वान किया।

समारोह में राज्यपाल श्री बागड़े की उपस्थिति में विश्वविद्यालय के 321 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। वहीं कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कोच सेड्रिक डीसूजा, उद्योगपति मनोज सिंघल तथा टीवी अदाकारा अर्चना पूरनसिंह को डाक्ट्रेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थी गुड़ापली श्रीहरि को कुलाधिपति पदक से नवाजा गया। वहीं तीन अन्य विद्यार्थियों को कुलपति पदक से सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने किया 'सतर्कताहमारी साझा जिम्मेदारी' थीम पर आधारित जन जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ

संजना भारती संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री ने किया सतर्कताहमारी साझा जिम्मेदारी थीम पर आधारित जन जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सचिवालय में सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी थीम पर आधारित जन जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यह जन जागरूकता कार्यक्रम प्रदेशभर में राज्य स्थापना दिवस 09 नवम्बर 2025 तक चलाया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा भी दिलाई। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को साकार करने वाले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी का स्मरण करते हुए कहा कि पटेल जी ने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण भारत की एकता, अखंडता और सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए समर्पित कर दिया। उनके जन्मदिवस के उपलक्ष्य में यह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार मुक्त भारत का केवल संकल्प ही नहीं लिया, बल्कि उसे धरातल पर उतारने का कार्य भी किया है। उनके नेतृत्व में देश में नई कार्य संस्कृति विकसित हुई है। शासन प्रशासन को पारदर्शी और उत्तरदायी बनाने के लिए जन केंद्रित बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ संकल्पित होकर कार्य कर रही है। राज्य गठन के बाद सतर्कता विभाग द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए 339 भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। पिछले तीन वर्षों में सतर्कता विभाग द्वारा 78 भ्रष्टाचारियों के साथ ही अन्य मामलों में 27 से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और शासन व्यवस्था को पारदर्शी एवं उत्तरदायी बनाने के उद्देश्य से टोल फ्री नंबर 1064 संचालित किया जा रहा है।

चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व संपन्न

एसबी ब्यूरो

बेगूसराय। सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा के पावन अवसर पर भगवान भास्कर के उगते स्वरूप का पूजा अर्चना कर जिला वासियों की सुख-समृद्धि की कामना करती बेगूसराय विधानसभा क्षेत्र की पूर्व विधायक अमिता भूषण भगवान भास्कर और छठी मैया की कृपा सभी पर बनी रहे और हर घर में खुशहाली हो, ऐसी कामना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कोलकाता में प्रवासी राजस्थानी मीट की सेक्टोरल राउंडटेबल में की शिरकत

संजना भारती संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कोलकाता में प्रवासी राजस्थानी मीट के दौरान माइंस और मिनरल्स, केमिकल्स, टेक्सटाइल एवं होजरी, आईटी और शेखावाटी हवेली पर केंद्रित सेक्टोरल राउंडटेबल की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने राजस्थान के तेजी से बदलते औद्योगिक परिदृश्य के बारे में उद्यमियों, निवेशकों और प्रवासी राजस्थानियों को विस्तृत रूप से जानकारी दी।

श्री शर्मा ने माइंस एंड मिनरल्स सेक्टोरल राउंड टेबल में चर्चा करते हुए कहा कि ग्रेनाइट और संगमरमर के प्रचुर भंडार के साथ-साथ राजस्थान जस्ता, सीसा और चूना पत्थर का अग्रणी उत्पादक राज्य भी है। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों और निवेशकों को खनिज प्रसंस्करण, डाउनस्ट्रीम उद्योगों और सस्टेनेबल माइनिंग में अवसरों का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया। श्री शर्मा ने राजस्थान खनिज नीति-2024, राजस्थान निवेश प्रोत्साहन नीति-2024 (रिप्स-2024) और राजनिवेश सिंगल-विंडो प्रणाली जैसी नीतियों की जानकारी भी दी जिनके माध्यम से इन सेक्टर्स में प्रोजेक्ट्स पर तेजी से काम हो पा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बालोतरा के सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स में महत्वपूर्ण रेयर अर्थ एलिमेंट्स (आरईई) के भंडार की खोज के साथ प्रदेश औद्योगिक विकास के एक नए युग की शुरूआत करने जा रहा है। यह भारत का पहला हार्ड रॉक आरईई ब्लॉक बन गया है। उन्होंने कहा कि यह खोज आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि यहां मिलने वाले 17 खनिज इलेक्ट्रिक वाहनों और उच्च तकनीक निर्माण के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस संसाधनों का दोहन करने के लिए राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन के अनुरूप एक एक्सीलेंस सेंटर स्थापित करने की योजना भी बना रही है।

मुख्यमंत्री ने केमिकल्स और पेट्रोकेमिकल उद्योगों की बढ़ती संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए राजस्थान का दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर और दिल्ली-एनसीआर से मजबूत कनेक्टिविटी का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ऐसे नए अवसर पैदा करना है, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ ही इसकी विरासत को संरक्षित करें और सतत विकास को बढ़ावा भी दें। उन्होंने कहा कि बालोतरा में शुरू होने जा रही पेट्रोलियम रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स से राज्य एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। उन्होंने बताया कि एचपीसीएल, वेदांता, हिंदुस्तान जिंक, चंबल फर्टिलाइजर्स और दीपक नाइट्राइट जैसी अग्रणी कम्पनियां प्रदेश में काम कर रही हैं और इससे बड़े पैमाने पर रोजगार और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा मिला है।

हरियाणा की लोक-संस्कृति के महाकुंभ 'रत्नावली महोत्सव' का मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया भव्य शुभारंभ

■ रत्नावली महोत्सव में 3500 युवा कलाकारों की होगी भागीदारी

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा की समृद्ध लोक-संस्कृति और कला परंपरा को सहेजने वाले राज्य स्तरीय रत्नावली महोत्सव का कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में भव्य शुभारंभ हुआ। महोत्सव में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उत्सव हरियाणा की गौरवशाली विरासत, हमारी माटी की महक और लोक जीवन की झलक प्रस्तुत करता है। यह विद्यार्थियों को न केवल अपने व्यक्तित्व को निखारने का अवसर देता है, बल्कि उन्हें अपनी सांस्कृतिक पहचान पर गर्व करने की भावना से भी ओतप्रोत करता है। रत्नावली महोत्सव केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी जड़ों और पहचान को पुनर्जीवित करने का एक प्रेरक मंच है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा द्वारा पद्मश्री से अलंकृत संतराम देशवाल तथा कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले श्री अनूप लाठर को सम्मानित किया गया। इसके अलावा, मुख्यमंत्री व अन्य अतिथियों ने हरियाणवी बोली में प्रकाशित रत्नावली टाईम्स पत्रिका का भी विमोचन किया। अपने संबोधन में श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वे ऊजार्वान युवाओं के बीच आकर अत्यंत उत्साहित हैं। यह देखकर गर्व होता है कि नई पीढ़ी भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि यह महोत्सव एक ऐसा मंच है, जो युवा पीढ़ी को हमारी जड़ों से जोड़ता है। रत्नावली महोत्सव हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने, संरक्षित करने और उसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का एक अनुपम प्रयास है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के कर्मयोग संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि हरियाणा की संस्कृति में सादगी, स्वाभिमान और देशभक्ति का भाव रचा-बसा है। रत्नावली महोत्सव इन्हीं मूल्यों का उत्सव है और इस मंच से निकलने वाले कलाकार न केवल प्रदेश बल्कि देश का नाम भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी हमारे प्रदेश का भविष्य है और संस्कृति के संवाहक भी। यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि हमारी युवा पीढ़ी अपनी विरासत को लेकर कितनी सजग और उत्साहित है। शिक्षा हमें ज्ञान और कौशल देती है, लेकिन संस्कृति हमें संस्कार और पहचान देती है।

उन्होंने कहा कि वेशभूषा, नृत्य, लोकगीत, हरियाणवी 'सांग' और 'रागनी', यहां बनाई गई झोपड़ियां ये सब केवल प्रदर्शन मात्र नहीं हैं, ये हमारे पूर्वजों की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि युवा शिक्षा के साथ-साथ अपनी संस्कृति व विरासत से भी जुड़े रहें। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हरियाणा का सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय है। यह प्रदेश 1966 में बना लेकिन इस विश्वविद्यालय की नींव 1956 में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी ने रखी थी। हरियाणा प्रदेश के शैक्षणिक, आर्थिक एवं सामाजिक विकास में इस विश्वविद्यालय का अमूल्य योगदान है। हरियाणा ने शिक्षा, खेल, संस्कृति, शोध, औद्योगिक क्षेत्र में प्रगति कर अग्रणी राज्य के रूप में भारत में अलग पहचान बनाई है। इस पहचान में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का भी महत्वपूर्ण योगदान है। यह विश्वविद्यालय, ज्ञान-विज्ञान, अनुसंधान, कौशल विकास, खेल, कला, संस्कृति सहित सभी क्षेत्रों में देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों में से एक है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्राचीन हरियाणवी कला व संस्कृति को बचाने में आजीवन योगदान करने वाले कलाकारों को 'हरियाणा रत्न अवार्ड' से सम्मानित किया जाता है। इसी प्रकार, हरियाणवी थिएटर को जीवंत करने में आजीवन योगदान करने वाले कलाकार को हर वर्ष 'हरियाणा रत्न पुरस्कार' दिया जाता है। इसके अलावा, हरियाणवी नृत्य के क्षेत्र में आजीवन योगदान करने वाले कलाकार को नृत्य का 'हरियाणा रत्न पुरस्कार' दिया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 38 वर्षों से इस विश्वविद्यालय में रत्नावली महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

नशे के खिलाफ छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

संजना भारती संवाददाता

असंध। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली। इससे पहले प्रार्थना सभा में नोडल इंचार्ज तिलक राज ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा आज समाज के लिए सबसे बड़ी समस्या बन चुका है। जो युवाओं के जीवन को अंधकार की ओर धकेल रहा है। उन्होंने बताया कि नशे से शरीर, मन और परिवार तीनों पर पूरा असर पड़ता है। डॉक्टर भूपेंद्र सिंह ने सभी को नशा मुक्त समाज बनाने का संकल्प दिलाया और कहा कि हर व्यक्ति अगर नशे के खिलाफ एक कदम उठाए तो देश स्वस्थ और उज्ज्वल बनेगा। डॉक्टर शीशन पाल ने भी छात्राओं को नशा मुक्त समाज बनाने का आह्वान किया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक युग में नशे की लत एक गंभीर सामाजिक बुराई बन गई है। नशा करने वाले व्यक्ति धीरे-धीरे अपने परिवार, समाज और देश के लिए बोझ बन जाता है, इसलिए नशा मुक्ति आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

इस अवसर पर गौतम नायक, राजेंद्र, प्रकाश, गुरचरण, जयद्रथ, परवीन, अनीता, रेनू व अन्य स्टॉफ उपस्थित रहा।

कृत्रिम अंग तथा सहायक उपकरण प्रदान करने के लिए आयोजित किए जाएंगे मूल्यांकन शिविर: डीसी प्रीति

■ तीन से सात नवंबर तक विभिन्न खंडों में आयोजित किए जाएंगे शिविर

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी की अध्यक्षा प्रीति ने बताया कि जिला रेडक्रॉस सोसायटी के ओर से वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण प्रदान करने के लिए नाप तोल शिविर का आयोजन किया जाएगा।

यह शिविर तीन से सात नवंबर तक विभिन्न खंडों में आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि दिव्यांगजनों की सहायतार्थ जिला कैथल में खंड स्तर पर एलिम्को कानपुर की टीम द्वारा कमोड के साथ व्हील चेयर, व्हील चेयर, कोहनी बैशाखी, चलने की छड़ें, कुर्सी के साथ चलने की छड़ी, फोल्डिंग वॉकर, तिपाई और टेट्रापोड़, घुटने का ब्रेस, एलएस बेल्ट, स्पाइनल स्पोर्ट, कुशन, श्रवण यंत्र, कमोड वाली कुर्सी, अन्य सहायक उपकरण और कृत्रिम अंग आदि नापतोल शिविरों का आयोजन होगा।

डीसी एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी की अध्यक्षा जिला कैथल प्रीति।

ये शिविर तीन नवंबर को न्यू रेडक्रॉस भवन कैथल में, चार नवंबर को खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी चीका में, पांच नवंबर को खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय कलायत में, छह नवंबर को खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय पूंडरी में, सात नवंबर को खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय राजौंद में आयोजित किए जाएंगे। यह शिविर सुबह 10 बजे आयोजित किए जाएंगे। रेडक्रॉस सचिव रामजी लाल ने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों की सहायतार्थ जिला रेडक्रास सोसायटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय व्योश्री योजना के अन्तर्गत वरिष्ठ नागरिक इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण में भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम मोहाली द्वारा सहायक उपकरण उपलब्ध करवाने उपरान्त जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को उनकी जरूरत के सहायक उपकरण निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे।

इन शिविरों में वरिष्ठ नागरिकों हेतु सहायक उपकरण प्राप्त करने के लिए अपने साथ वरिष्ठ नागरिक कार्ड, आधार कार्ड की प्रति, बीपीएल कार्ड/पेंशन प्रमाण-पत्र/आय प्रमाण-पत्र (15 हजार रुपये मासिक से कम या इसके बराबर), वरिष्ठ नागरिक कार्ड या कोई भी आयु प्रमाण पत्र होना आवश्यक है। अधिक जानकारी के लिए रामपाल लेखाकार 9728490109 व रतन लाल सहायक 9467993915 से संपर्क करे।

किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर उन्हें खुशहाल बनाना सरकार का लक्ष्य: मंत्री श्याम सिंह राणा

■ हरियाणा में किसानों, आढ़तियों व मजदूरों की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ किया जाता है समाधान

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने मंगलवार को कैथल में पुरानी अनाज मंडी गुहला चीका में स्थित मार्केट कमेटी कार्यालय में नव नियुक्त मार्केट कमेटी चीका के चेयरमैन श्री जगमाल सिंह राणा व वाइस चेयरमैन श्री मांगे राम जिंदल को पदग्रहण करवाकर उन्हें बधाई दी।

कृषि मंत्री ने चेयरमैन व वाइस चेयरमैन को बधाई देते हुए किसानों, मजदूरों व आढ़तियों के कल्याण के लिए काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने नव नियुक्त चेयरमैनों को कुर्सी पर बैठाने की जिम्मेदारी दी थी, इसके लिए यहां उपस्थित हुए हैं। हरियाणा में किसानों, मजदूरों व आढ़तियों की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समाधान किया जाता है। नव नियुक्त चेयरमैन व उप चेयरमैन भी मंडियों का पूरा ख्याल रखेंगे और सड़क, पानी, बिजली आदि व्यवस्था पर पूरी निगरानी करेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में देश व प्रदेश नई ऊंचाइयों को छू रहा है। भारत को विकसित देश बनाने के लिए हम सभी की भागीदारी जरूरी है। सरकार हर वर्ग के लोगों के कल्याण के लिए नित नई-नई योजनाएं क्रियान्वित कर रही है और यह जरूरतमंद व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ भी सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि किसान

हित हमेशा से सरकार की प्राथमिकता रही है और उनके जीवन में समृद्धि लाना हमारा संकल्प है। सरकार किसानों की फसलों को एमएसपी पर खरीद रही है। उन्होंने कहा कि किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर उन्हें खुशहाल बनाना सरकार का लक्ष्य है।

इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री श्याम सिंह ने किसानों, मजदूरों व आढ़तियों की समस्याएं सुनी। जिसमें आढ़त बढ़ाने की मांग पर उन्होंने केंद्र व मुख्यमंत्री से बात करने का आश्वासन दिया। अन्य शिकायत में पुरानी अनाज मंडी में पानी निकासी के कार्य को पूरा करवाया जाएगा। पंजाब की तर्ज पर स्थाई लाइसेंस करना, नई अनाज मंडी में सुविधाएं प्रदान करना, पुरानी अतिरिक्त अनाज मंडी में किसान भवन बनाना, भागल मंडी में शेड, पानी, बिजली आदि संबंधित समस्याएं सुनी और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

एसडीएम ने किया पटवार भवन का औचक निरीक्षण, रिकॉर्ड व साफ-सफाई का लिया जायजा

■ राजस्व संबंधी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर निपटाने के निर्देश

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। एसडीएम अजय सिंह ने मंगलवार को शहर स्थित पटवार भवन का औचक निरीक्षण किया और रिकार्ड व साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एसडीएम का यह आकस्मिक दौरा सरकारी कार्यालयों में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। निरीक्षण के दौरान लगभग सभी व्यवस्थाएं सही पाई गई।

निरीक्षण के दौरान, एसडीएम अजय सिंह ने पटवार भवन के कामकाज का विस्तृत आकलन किया। उन्होंने विशेष रूप से सभी महत्वपूर्ण राजस्व रिकॉर्ड की जांच की, जिसमें भूमि के कागजात, जमाबंदी, इंतकाल (म्यूटेशन) और अन्य संबंधित दस्तावेज शामिल थे। एसडीएम ने रिकॉर्ड के उचित रखरखाव सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को हिदायत दी। इसके बाद उन्होने कार्यालय परिसर और उसके आस-पास की साफ-सफाई व्यवस्था का भी बारीकी से जांचा। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को निर्देश

दिए कि वे स्वच्छता बनाए रखें ताकि पटवार भवन में आने वाले आमजन को एक स्वच्छ और बेहतर वातावरण मिल सके।

उन्होंने कहा कि हम सब जनता के सेवक हैं और हमारा प्राथमिक कर्तव्य लोगों की समस्याओं का त्वरित और संतोषजनक समाधान करना है। इसलिए कार्यालय में आने वाले आमजन से विनम्रता से पेश आएं और उनके कार्य नियमानुसार करें। किसी भी आवेदक को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। सभी राजस्व संबंधी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर निपटाया जाए। यह निरीक्षण सरकारी कामकाज में जवाबदेही और पारदर्शिता लाने की प्रक्रिया का हिस्सा है और ऐसे निरीक्षण भविष्य में भी जारी रहेंगे।

एसपी उपासना ने की जिला स्तरीय पुलिस-पब्लिक समन्वय कमेटी की बैठक

■ पुलिस और आमजन के बीच आपसी तालमेल मजबूत कर अपराधों की रोकथाम के लिए किए गए संयुक्त प्रयास

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। हरियाणा पुलिस महानिदेशक के आदेशानुसार जिला कैथल में गठित जिला स्तरीय पुलिस-पब्लिक समन्वय कमेटी की बैठक मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय कैथल में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक उपासना ने की। बैठक में विभिन्न गांवों व कस्बों से आए मौजिज व्यक्तियों ने हिस्सा लिया और अपने-अपने क्षेत्र से संबंधित समस्याओं एवं सुझावों को पुलिस प्रशासन के समक्ष रखा।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य पुलिस व आमजन के बीच आपसी सहयोग व तालमेल को मजबूत बनाना, अपराधों की

रोकथाम के लिए संयुक्त रणनीति तैयार करना, कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना तथा सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देना रहा। बैठक के दौरान एसपी उपासना ने उपस्थित सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज और पुलिस के बीच बेहतर तालमेल से अपराधों पर अधिक प्रभावी ढंग से नियंत्रण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आमजन की सक्रिय भागीदारी से कानून व्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है और समाज को और सुरक्षित बनाया जा सकता है। किसानों व ग्रामीणों से अपील की गई कि फसल अवशेषों को न जलाएं और पराली प्रबंधन के लिए वैकल्पिक उपाय अपनाएं। पराली जलाने से न केवल पर्यावरण को नुकसान होता है बल्कि कानूनी कार्रवाई का भी प्रावधान है।

एसपी ने नशे का कारोबार करने वाले व्यक्तियों तथा अवैध हथियार रखने वालों की जानकारी पुलिस को तुरंत देने की अपील की गई ताकि समय रहते कानूनी कार्रवाई की जा सके। एसपी उपासना ने कहा कि पुलिस और जनता एक ही टीम का हिस्सा हैं। अपराधों को रोकने और समाज को सुरक्षित रखने के लिए दोनों पक्षों का सहयोग बेहद जरूरी है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे नशा, अवैध हथियार, संदिग्ध व्यक्तियों, साइबर अपराध या किसी भी तरह की गैरकानूनी गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

लोगों को उनके घर के नजदीक स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करवाना ही सरकार का लक्ष्य: आरती सिंह राव

■ गांव दुल्हेड़ी में पीएचसी तथा खिल्लूका में उप स्वास्थ्य केंद्र खोलने को दी मंजूरी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के लोगों को उनके घर के नजदीक स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध करवाने के लिए प्रयासरत है। शहर और कस्बा के अलावा ग्रामीण स्तर पर भी नए स्वास्थ्य केंद्र खोले जा रहे हैं और जनसँख्या वृद्धि को देखते हुए कई संस्थानों को अपग्रेड किया जा रहा है।

आरती सिंह राव ने आज चंडीगढ़ में कार्यालय में उनसे मिलने आए लोगों की समस्याएं सुनते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों की डिमांड पर भिवानी जिला के गांव दुल्हेड़ी में बने उप स्वास्थ्य केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अपग्रेड करने की मंजूरी दे दी गई है, जल्द ही वहां चिकित्सा अधिकारी एवं अन्य स्टॉफ की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने आगे बताया कि पलवल जिला के गांव खिल्लूका में भी उप स्वास्थ्य केंद्र खोलने की मंजूरी दे दी गई है, इसमें भी स्टॉफ की भर्ती की प्रक्रिया जल्द शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के लोगों को सस्ती और सुलभ चिकित्सा सेवाएं देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। स्वास्थ्य विभाग में आवश्यक दवाओं और उपकरणों की खरीद की जा रही है ताकि लोगों को सस्ता ईलाज मिल सके।

अनुसूचित जाति वर्ग के युवक-युवतियों को दिया जाएगा कौशल विकास प्रशिक्षण, 30 अक्टूबर तक करें आवेदन

एसबी संवाददाता

कैथल। हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम कैथल के जिला प्रबंधक चंद्र प्रकाश ने बताया कि विभाग द्वारा राज्य के अनुसूचित जाति वर्ग से संबंधित युवाओं एवं युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से निशुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जाएगा। इच्छुक प्रार्थी 30 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहायक ब्यूटी थेरेपिस्ट, सहायक हेयर ड्रेसर एवं स्टाइलिस्ट, ब्राइडल फैशन एवं पोर्टफोलियो मेकअप आर्टिस्ट, स्वरोजगार दर्जी, सहायक फॉल्स सीलिंग एवं ड्राईवॉल इंस्टॉलर इत्यादि पाठ्यक्रम शामिल है।

इसके लिए प्रशिक्षणार्थी की आयु 18 से 42 वर्ष के मध्य हो। वह हरियाणा राज्य का मूल निवासी तथा अनुसूचित जाति वर्ग से सम्बन्धित हो। प्रशिक्षणार्थी की परिवार पहचान पत्र में सत्यापित वार्षिक आय 3 लाख रुपये तक हो। सभी कोर्स की शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग है। न्यूनतम 8वीं व 10वीं पास होना अनिवार्य है। इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के फ्रेंड्स कालोनी गली नंबर 4 स्थित कार्यालय में संपर्क करें और अपने साथ आधार कार्ड, परिवार पहचान पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, दो पासपोर्ट आकार फोटोग्राफ के साथ जमा करवा सकते हैं। अधिक जानकारी हेतु मोबाइल नंबर 99966-18857 पर संपर्क किया जा सकता है।

सीआईएसएफ ने भाखड़ा बांध परियोजना की सुरक्षा की आधिकारिक संभाली जिम्मेदारी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

चंडीगढ़। भारत की सबसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से एक भाखड़ा बांध परियोजना की सुरक्षा की सुरक्षा अब केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) करेगी। सीआईएसएफ यूनिट बीडीपी नंगल का भाखड़ा बांध परियोजना (बीडीपी), नंगल में एक आधिकारिक अधिष्ठापन समारोह हुआ।

इस अवसर पर श्री नवज्योति गोगोई, महानिरीक्षक, सीआईएसएफ (उत्तरी खंड), श्री एम. के. यादव, उप महानिरीक्षक, सीआईएसएफ (उत्तरी क्षेत्र-क्क) तथा श्री मनोज त्रिपाठी, अध्यक्ष, भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) सहित सीआईएसएफ यूनिट बीडीपी नंगल के कमांडेंट श्री प्रतीक रघुवंशी उपस्थित रहे। यह समारोह बांध की सुरक्षा को राज्य पुलिस से औपचारिक रूप से सीआईएसएफ को हस्तांतरित करने का प्रतीक बना।

भाखड़ा बांध, हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में सतलुज नदी पर स्थित एक विशाल कंक्रीट गुरुत्वाकर्षण बांध है, जिसकी ऊंचाई 226 मीटर और लंबाई 518 मीटर है। यह बांध गोबिंद सागर जलाशय का निर्माण करता है, जो 168 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है और 9.34 बिलियन क्यूबिक मीटर जल संग्रहण क्षमता रखता है। सीआईएसएफ के एक प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि अब तक भाखड़ा बांध की सुरक्षा संबंधित राज्य पुलिस बलों द्वारा बीबीएमबी की देखरेख में की जा रही थी। किन्तु तोड़फोड़ और आतंकवादी गतिविधियों के बढ़ते खतरों को ध्यान में रखते हुए गृह मंत्रालय ने मई 2025 में 296 सशस्त्र कर्मियों वाली सीआईएसएफ की एक समर्पित इकाई की तैनाती को स्वीकृति प्रदान की थी। उन्होंने बताया कि सीआईएसएफ अब भाखड़ा बांध के मुख्य दीवारों, जलद्वारों, बिजलीघरों, नियंत्रण कक्षों तथा प्रवेश द्वारों की निगरानी एवं सुरक्षा का दायित्व संभालेगी। राज्य पुलिस बलों को बीबीएमबी की समग्र सुरक्षा व्यवस्था में सहायक भूमिका में रखा गया है ताकि समन्वित सुरक्षा तंत्र सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि सीआईएसएफ की तैनाती से भाखड़ा बांध परियोजना की सुरक्षा व्यवस्था को नई मजबूती मिली है और यह कदम भारत की जल, ऊर्जा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक मील का पत्थर सिद्ध होगा।